राजयोग मेडिटेशन से बढ़ेगी खिलाड़ियों की मानसिक शक्ति

अंतर्राष्ट्रीय कुश्ती कोच महावीर सिंह फोगाट ने कहा कि मैं ब्रह्माकुमारीज़ के स्पोर्ट्स विंग के कार्यों को पिछले कई सालों से जानता हूँ। भारत देश के खिलाड़ियों के प्रति उनकी निःस्वार्थ सेवाओं की मैं सराहना करता हूँ। इस विंग के द्वारा सिखाये गये राजयोग को अगर खिलाड़ी अपने जीवन में अपनाता है तो आने वाले ओलम्पिक खेल में भारत बहुत अच्छा प्रदर्शन कर सकता है।

ज्ञानसरोवर-माउण्ट आबू।

ब्रह्माकुमारीज़ ज्ञान सरोवर के हार्मनी हॉल में संस्थान के स्पोर्ट्स विंग द्वारा 'खेलों में सफलता के लिए पॉज़िटिव माइंड सेट का विकास' विषय पर आयोजित त्रिदिवसीय अखिल भारतीय सम्मेलन में देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में खेल जगत से जुड़े हुए प्रतिनिधियों, प्रशिक्षकों एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

सम्मेलन में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका तथा स्पोर्ट्स विंग की वाइस चेयरपर्सन राजयोगिनी ब्र.कु. शशि दीदी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खेलों में सफलता प्राप्त करने के लिए शक्तिशाली व सकारात्मक माइंड सेट की ज़रूरत होती है। हमें हर हाल में अपने लक्ष्य पर ध्यान केन्द्रित करना होता है। राजयोग मेडिटेशन मन की शक्ति को कई गुना बढ़ा देता है और फिर हम बड़ी-बड़ी सफलताएं प्राप्त करते रहते हैं। स्वर्णिम गुजरात स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर अर्जुन सिंह राणा ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान से अनुरोध करते हुए कहा कि आप हमारे साथ एक एमओयू करें और हमारे खिलाड़ियों को मानसिक शक्ति के विकास में प्रशिक्षण दें। उस्मानिया विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट के डीन डॉ. राजेश कुमार ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ के साथ पिछले 10 वर्षों से हमारे विश्वविद्यालय का संपर्कहै। यह ईश्वरीय विश्वविद्यालय दुनिया में शांति और सुख की स्थापना के लिए एक अद्भुत कार्य कर रहा है। अंतर्राष्ट्रीय बॉक्सिंग रेफरी ब्रिगेडियर विक्रम सिंह ने कहा कि मेडिटेशन और अच्छी जीवनशैली के आधार पर जीवन में सच्चा सुख, शांति एवं उत्तम स्वास्थ्य प्राप्त होता है। भारतीय नेवी के अंतर्राष्ट्रीय तैराक विनय सहरान, ब्रह्माकुमारीज़ खेल प्रभाग के नेशनल कोऑर्डिनेटर डॉ. जगबीर, ब्रह्माकुमारीज़ खेल प्रभाग के नेशनल कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. रोहतास, प्रभाग की गुजरात ज़ोनल कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. तारा दीदी, प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका ब्र.कु. अदिति बहन, प्रभाग की नेशनल कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. नंदिनी बहन आदि ने भी अपने विचार रखे। कॉन्फ्रेन्स के दौरान ब्र.कु. ई.वी. गिरीश, ब्र.कु. ओमकार, ब्र.कु. वासन्ता, ब्र.कु. सारिका आदि वक्ताओं ने खिलाड़ी एवं प्रशिक्षकों का सुचारु रूप से मार्गदर्शन किया।

अपनी एनर्जी को बचाकर हम अपने अंदर के हीरो को जगा सकते हैं : चन्द्रिका दीदी

पुणे-पिसोली(महा.)। ब्रह्माकुमारीज़ के जगदम्बा भवन मेडिटेशन रिट्रीट सेंटर में संस्था के युवा प्रभाग द्वारा आयोजित 'डिस्कवर द हीरो विदिन' विषयक युवा सम्मेलन में प्रभाग की उपाध्यक्षा ब्र.कु. चन्द्रिका दीदी ने कहा कि मनुष्य जीवन में सबसे मूल्यवान है - समय। लेकिन आज समय की कदर खासकर युवाओं में नहीं रही है, इसलिए वे अपने उद्देश्य से भटक रहे हैं। उन्होंने कहा कि कम्पैरिज़न और कॉन्ट्रास्ट में अपनी एनर्जी जो व्यर्थ जाती है, उसे बचाना है, तब हम अपने अंदर के हीरो को जगा सकते हैं।
परिवर्तन सामाजिक संस्था के संस्थापक गुलाबराव पाटिल ने कहा कि सकारात्मक ऊर्जा मिलने के स्थान दुनिया में बहुत कम हैं और उनमें से एक स्थान है ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के सेवाकेंद्र। इन सेवाकेंद्रों द्वारा सिखाये जाने वाला ज्ञान जीवन में सकारात्मकता को लाता है।
पुणे शहर युवक व क्रीडा सेल कांग्रेस के अध्यक्ष आशुतोष शिंदे ने कहा कि मेडिटेशन करने से हमारे अंदर का पोटेंशियल समझ आता है, और यह भाव उत्पन्न होता है कि हम सब यूनीक हैं। लव, केयर एंड शेयर

• युवा प्रभाग द्वारा 'डिस्कवर द हीरो विदिन' युवा सम्मेलन का सफल आयोजन

संस्था के संस्थापक पीयूष शाह ने कहा कि भारत को विश्वगुरु बनाना हर एक युवा का लक्ष्य होना चाहिए, जिसमें आध्यात्मिकता अहम भूमिका निभा सकती है। जगदम्बा भवन की सह संचालिका ब्र.कु. शीतल बहन ने कहा कि युवाओं में एनर्जी है लेकिन उस एनर्जी को सही दिशा नहीं मिल पा रही है। संस्था का युवा प्रभाग पिछले 4 दशकों से देश के हर कोने में युवाओं की इस आंतरिक शक्ति को जगाने का कार्य कर रहा है और इसमें राजयोग ध्यान अहम भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. भाग्यश्री बहन ने किया। विक्रांत सिंह,अध्यक्ष, इन्कलाब ज़िंदाबाद,स्वच्छ पुणे, जीवन पाटिल,युवा परिषद् कमेटी सदस्य, स्वरूप खाडके, अनिकेत ढोके,ग्रुप लीडर वीआईआईटी कॉलेज, एनएसएस यूनिट, सुधीर धावड़े, वसंत भुगड़े,अध्यक्ष,जीएसपीएम, धनंजन बेनकर,शहराध्यक्ष,आम आदमी पार्टी व अन्य गणमान्य लोगों सहित लगभग 200 युवाओं ने इस सम्मेलन में हिस्सा लेते हुए अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का शुभ संकल्प किया। कार्यक्रम के दौरान युवाओं के लिए आयोजित पैनल डिस्कशन में ब्र.कु. चन्द्रिका दीदी, जगदम्बा भवन की संचालिका ब्र.कु. सुनंदा दीदी, चार्टर्ड अकाउंटेंट ब्र.कु. प्रफुल्ल भाई, रेडियो जैकी आर्टिस्ट ब्र.कु. रुचा बहन, चार्टर्ड अकाउंटेंट ब्र.कु. तरुण भाई आदि शामिल रहे।

थिंकरबेल लैब के ब्रांड एम्बेसडर 11 वर्षीय वंडर बॉय प्रथमेश सिन्हा ने कहा कि हर समस्या का सामना करने की ताकत आध्यात्मिकता में है। आज-कल युवाओं में एक ट्रेंड है - 'मोर पावर टू यू'। यह पावर तब आएगी जब आप आध्यात्मिकता से जुड़ेंगे। उन्होंने सभी को राजयोग मेडिटेशन सीखने के लिए प्रेरित किया।

जब तक गांव के लोग आदर्श नहीं होंगे तब तक गांव आदर्श नहीं बनेगा

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा राजऋषि गोकुल ग्राम प्रकल्प के अंतर्गत ट्रेनर्स ट्रेनिंग

नागपुर-महा.। ब्रह्माकुमारीज़ के राजऋषि गोकुल ग्राम प्रकल्प के अंतर्गत 'भारत को विश्व गुरु का स्थान पुनः प्रदान करने में भारतीय कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्र का विशेष योगदान' विषय पर संस्थान के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा विश्व शांति सरोवर ट्रेनिंग सेंटर में दो दिवसीय ट्रेनर्स टेनिंग का आयोजन किया गया।
कार्यक्रम में राजस्थान के जाहोता गांव के सरपंच शाम प्रताप राठौड ने कहा कि जब तक गांव का विकास नहीं होगा तब तक हमारा देश आगे नहीं बढ़ेगा। जब तक गांव के लोग आदर्श नहीं होंगे तब तक गांव आदर्श नहीं बनेगा।
डिप्टी कमिश्नर डेवलपमेंट कमलकिशोर फुटाणे ने गांव के भौतिक और आर्थिक विकास के साथ सामाजिक और मानसिक विकास की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। रविन्द्र मनोहर,डिस्ट्रिक्ट सुपरिटेन्डेन्ट, एग्रीकल्चर ऑफीसर ने कहा कि जहां सर्व गुणों से सजे हुए मनुष्य रहते हैं उसको ही गोकुल गांव कहते हैं। डॉ. ए.एस. राजपूत,रिजनल डायरेक्टर,रिजनल सेंटर ऑफ ऑर्गेनिक एंड नैचुरल फार्मिंग,नागपुर ने कहा कि हम लोगों को आँखें तो दे सकते हैं लेकिन विज़न नहीं दे सकते। विज़न लेने के लिए हमें ब्रह्माकुमारीज़ में आना पड़ेगा। ब्रह्माकुमारीज़ कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. सुमंत भाई, माउण्ट आबू ने कहा कि ग्राम विकास की सेवाओं का चार स्तंभ स्वच्छता, साक्षरता, स्वास्थ्य और स्वनिर्भरता है। ब्रह्माकुमारीज़ की क्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. रजनी दीदी ने कहा कि इस प्रभाग द्वारा भारत भर में गरीबों, किसानों और ग्रामजनों की सेवा विशेष रूप से हो रही है और आगे भी यह सेवायें बढ़ती रहें, यही आशा रखती हूँ। राजऋषि गोकुल ग्राम परियोजना के समन्वयक ब्र.कु. चन्द्रेश भाई ने कहा कि हमें भारत के लोगों के संस्कारों को परिवर्तन करना है तो हमें अन्न के ऊपर काम करना होगा। कहा जाता है जैसा अन्न वैसा मन। प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. शशिकांत भाई ने सभी से आदर्श गांव बनाने के लिये प्रतिज्ञा कराई। कृषि रत्न अवॉर्ड विजेता डॉ. आर. बी. ठाकरे, एडिशनल कमिश्नर इनकमटैक्स ऋषि कुमार बिसेन एवं यौगिक खेती की प्रणेता ब्र.कु. मनीषा बहन,कोल्हापुर ने भी अपने अमूल्य विचार रखे।

आत्म प्रबंधन से ही व्यापार में कुशल प्रबंधन हो सकता है : के.एस. राजू

'व्यापार एवं उद्योग में सफलता के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' राष्ट्रीय सम्मेलन

इंदौर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के व्यापार एवं उद्योग प्रभाग द्वारा ओमशांति भवन ज्ञानशिखर में 'व्यापार एवं उद्योग में सफलता के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में मुम्बई से आये विराज प्रोफाइल प्रा.लि. के अध्यक्ष एवं मैनेजिंग डायरेक्टर नीरज राजा कोचर ने ब्रह्माकुमारीज़ के संपर्क में आने के बाद उनके जीवन में आए बदलाव को साझा करते हुए कहा कि यहां सिखाये जाने वाले राजयोग से मन सशक्त और सोच सकारात्मक बनती है। और हम स्वयं को सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर अनुभव करते हैं। आपने ब्रह्माकुमारीज़ में समझाये जाने वाले सात्विक अन्न के महत्व के अनुसार स्वयं तथा अपनी कंपनी के कर्मचारियों के विचारों एवं व्यवहार में अच्छा परिवर्तन महसूस किया।
नागार्जुना फर्टिलाइज़र के चेयरमैन एवं संस्थापक के.एस. राजू ने कहा कि व्यापार एवं उद्योग में सफलता के लिए स्वप्रबंधन सीखना ज़रूरी है। स्वप्रबंधन के लिए स्व की यथार्थ पहचान होना ज़रूरी है, कि हम शरीर को चलाने

वाली एक ऊर्जा हैं, जिसके होने से शरीर की मशीन चल रही है। अतः आत्म प्रबंधन से व्यापार में कुशल प्रबन्धन हो सकता है।
मुंबई से आईं स्व प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. क्रीना दीदी ने कहा कि व्यापार एवं उद्योग में मशीन, सिस्टम, टेक्नोलॉजी, इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ इसे संचालित करने वाले मनुष्यों के आत्मिक विकास का भी ध्यान रखा जाए तो व्यवसाय में सफलता भी होगी और इस कार्य में लगे लोगों में संतुष्टता और उमंग भी बना रहेगा। ब्रह्माकुमारीज़ इंदौर ज़ोन की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. हेमलता दीदी ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि ब्रह्माकुमारीज़ के बिज़नेस एंड इंडस्ट्री विंग द्वारा स्व विकास के अनेक कार्यक्रमों के साथ-साथ स्वप्रबंधन नेतृत्व विकास का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। जिसके माध्यम से व्यवसाय जगत में सफलता मिलती है। एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज़ मध्य प्रदेश के प्रेसिडेंट योगेश मेहता, मोयरा सरिया के वाइस चेयरमैन पवन सिंघानिया, ब्रह्माकुमारीज़ उज्जैन संभाग की संचालिका ब्र.कु. उषा दीदी तथा एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज़ मध्य प्रदेश, मालवा चेम्बर ऑफ कॉमर्स, यशवंत क्लब, डेली कॉलेज बिज़नेस स्कूल, अहिल्या चेम्बर, पीथमपुर औद्योगिक संगठन, क्लॉथ मार्केट एसोसिएशन, अनाज मंडी एसोसिएशन सहित बड़ी संख्या में अनेक संगठन के अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्यगणों ने भाग लिया।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/24-26, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2024-26, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 3rd Oct, 2024
स्वामी - आर.ई.आर.एफ, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 801-I, Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन,- 307510
See Latest News
www.omshantimedia.org